रोहतक, 17 फरवरी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा आज- पब्लिक पॉलिसीज एंड गवर्नेंस इन इंडिया- इन्नोवेशन्ज एंड एक्सपीरियेंस विषय पर राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया।

चौ. देवी लाल विवि, सिरसा के कुलपति व इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एसोसिएशन (आईपीएए) के अध्यक्ष प्रो. अजमेर सिंह मलिक ने बतौर मुख्यातिथि इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में प्रो. अजमेर सिंह मलिक ने कहा कि मार्केटिंग के कारण जीवन के प्रत्येक पहलू में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कॉनसेप्ट ऑफ डाइवर्सिटी और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मुख्यधारा में शामिल करने पर जोर दिया।

प्रो. अजमेर सिंह मलिक ने सशक्तिकरण द्वारा एकीकृत, एकीकरण की भूमिका, विविधता का एकीकरण करने का उल्लेख किए जाने पर बल दिया। उन्होंने आर्थिक विकास के तेज स्तर को बनाए रखने के तरीके पर प्रकाश डालते हुए इसके लिए विभिन्न जरूरी आयामों जैसे मंत्रालयो मे प्रसार का प्रयास, लीकेज की जॉच, नीति निर्माण और नीति निर्णय के संर्दभ में पूर्वापेक्षाएं व एकीकृत प्रयासों की जरूरतों के बारे में बताया और इन आयामों को हासिल करने के लिए महिला सशक्तिकरण व महिलाओं की भागीदरी को बढ़ाने पर जोर दिया।

आईएचटीएम के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस कांफ्रेंस के प्रारंभ में लोक प्रशासन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने अपने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित यह कांफ्रेंस इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एसोसिएशन (आईपीएए) तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनोमिक चेंज के सहयोग से आयोजित की जा रही है।

प्रो. वाई. पारदाषार्दी, लोक प्रशासन विभाग, ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद व महासचिव व कोषाध्यक्ष, इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एसोसिएशन ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की तथा प्रो. इन्द्रजीत, निदेशक, चौ. रणबीर सिंह इन्स्टीटूयट ऑफ साशल एण्ड इकोनोमिक चेंज ने बतौर विशिष्टि अतिथि उद्घाटन सत्र में शिरकत की। प्रो. वाई पारदाषार्दी ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि अब हम लोक प्रशासन के फार्थ जनरेशन समय पर पहुॅच चुके है। उन्होंने एनपीएम के क्रियान्वयन, गर्वनेंस, आईसीटी, सोशल मीडिया व लोक प्रशासन के बारे में बताया। शिक्षकों की क्षमता का विकास कैसे करें, संघ की भूमिका में बदलाव, संगठन की भूमिका बढ़ाने संबंधित विषयों पर उन्होंने प्रकाश डाला।

मंच संचालन का कार्य डा.समुन्द्र सिंह द्वारा किया गया। कांफ्रेंस में प्रो. दीपानकर सिन्हा, राजनीतिक विज्ञान विभाग, कलकता विश्वविद्यालय ने लोक नीति और गवर्नेंस पर प्रकाश डाला। उन्होंने नॉलेज फॉर वट व नॉलेज फॉर हयूम, उत्तरदायी शासन की जरूरत के बारे में विस्तार से बताया। आभार प्रदर्शन डा. राजेश कुण्डू ने जताया। इस कांफ्रेंस के आयोजन में विभाग के शिक्षक डा. समुन्द्र सिंह व डा.सुमनलता तथा शोधार्थी ललिता, मोहित दहिया, सन्नी, अमित, मनिषा, नितेशा सैनी, संदीप, नितिन सिवाच, मोहित रांगी, नवीन आदि ने सहयोग किया।

इस अवसर पर प्रो. वेंकट रमन, साउथ गुजरात विश्वविधालय, सूरत, प्रो. एस.के. महाजन, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, प्रो. रेनू कपिला, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, प्रो. निलेशा जोशी, सूरत विश्वविद्यालय गुजरात , प्रो. चितलांगी व डा. दिनेश गहलोत, जोधपुर, प्रो. राजबीर दलाल एवं प्रो. सुलतान, चौ. देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा, प्रो. ओम महला एव डी. सुधीर, राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, प्रो. श्रीनिवास पाथी, केन्द्रिय विश्वविद्यालय, आइजोल मिजोरम, डा. सफीक अहमद, तेलंगाना, डा. चंद्रीमा दास, आसाम आदि उपस्थित रहें। इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 11 राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालय एवं संस्थानों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

MAHARSHI DAYAN UNIVERSITY, ROHT
'A+' Grade Uni credited by NAAC)
Collab Conference
Public Policies and Governance : Innov periences
anised by : Department of Public Administra h Indian P tion (IPAA)
Ch. Ranbir Singh Institute o hange,
Sponsored by : India
ate : 17th & 18th Februa

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
'A+' Grade University Accredited by NAAC)
Collaborative Conference
On
Public Policies and Governance in India : Innovations
Organised by : Department of Public Administration in Collaboration with Indian Public
&
Ch. Ranbir Singh Institute of Social and
Change, M.D.
Rohtak
Sponsored by : Indian Council of
Date : 17th &

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
'A+' Grade University Accredited by NAAC)
Collaborative Conference
On
Public Policies and Governance in India : Innovations and Experiences
Organised by : Department of Public Administration in Collaboration with Indian Public Administration Association (IPAA)
Ch. Ranbir Singh Institute of Social and
nic Change, M.D. U
ty, Rohtak
Sponsored by : Indian Council
Science Research
ate : 17th & 18th February, 2023
ue : IHTM Ha
D.U., Rohtak)

Public Policies
Prof. S.K. Mahajan

रोहतक, 18 फरवरी। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा- पब्लिक पॉलिसीज एंड गवर्नेंस इन इंडिया- इन्नोवेशन्ज एंड एक्सपीरियेंस विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय कांफ्रेंस आज संपन्न हो गई।

इस कार्यशाला के दूसरे दिन आज डा.अरूण मनोहरन, एसोसिएट प्रोफेसर, पब्लिक मैनेजमैंट, सुफोल्क विश्वविद्यालय, बोस्टन, अमेरिका ने ऑनलाइन माध्यम से 'स्टेटस ऑफ पब्लिक एडमिनिस्टैशन' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि लोक प्रशासन के विकास के लिए इसकी कल्पना एक पेशे के रूप मे, एक अकादमिक अनुशासन के रूप में और प्रोफेशनल प्रेक्टिस के रूप करने की जरूरत है। इसके पश्चात तीसरे व चौथे तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों व शोधार्थियों द्वारा पेपर प्रस्तुत किए गए।

समापन सत्र में विभागाध्यक्ष प्रो.सेवा सिंह दहिया ने स्वागत भाषण दिया। डा.समुन्द्र सिंह ने कांफ्रेंस की रिपोर्ट प्रस्तुत की और दो दिनों के दौरान आयोजित पांचों तकनीकी सत्रों की रिपोर्ट शोधार्थी संदीप द्वारा प्रस्तुत की गई। वैलेडिक्ट्री एड्रेस प्रो. राघावूलू, पूर्व कुलपति आचार्या नागार्जुना विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा दिया गया। इस अवसर पर महर्षि दयानन्द विश्वविधालय के लोक प्रशासन विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. राजेश कुण्डू द्वारा लिखित 'निर्विरोध निर्वाचन एवं ग्राम्य शासन व विकास' विषयक किताब का विमोचन भी किया गया। डा. जगबीर नरवाल ने आभार जताया। कांफ्रेंस के आयोजन में विभाग के शिक्षक डा.समुन्द्र सिंह व डा.सुमनलता, श्री साहब सिंह तथा शोधार्थी ललिता, मोहित दहिया, सन्नी, अमित, मनीषा, नितेश सैनी, संदीप, नितिन सिवाच, मोहित रांगी, नवीन, पूजा नान्दल दिनेश एवं विभाग के विधार्थी मनीषा, शिवानी, गुरमीत, बरखा, वंजीत, कोमल, अभिषेक, प्रीती, विजेता, हिमाषी, प्रियंका, सुजाता, रचना, कुसुम, हिमांशी, वर्षा, सरीता, रीना आदि ने सहयोग किया।

उल्लेखनीय है कि आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित यह कांफ्रेंस इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एसोसिएशन (आईपीएए) तथा चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनोमिक चेंज के सहयोग से आयोजित की गई।

कांफ्रेंस के समापन के पश्चात इंडियन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एसोसिएशन (आईपीएए) के सदस्यों का चुनाव भी आयोजित किया गया। जिसमें सीडीएलयू, सिरसा के कुलपति प्रो. अजमेर सिंह मलिक को अध्यक्ष चुना गया। प्रो. सेवा सिंह दहिया को उपाध्यक्ष के रूप में व प्रो. वाई. पारदाशार्दी को सचिव-कम-कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके इलावा आठ कार्यकारणी समिति के सदस्यों का चुनाव किया गया, जिसमें प्रो. संजीव महाजन, प्रो. रेणू कपिला, प्रो. वेंकेट राम रेड्डी, डा. डी.एन. गहलोत, डा. डी. श्रीराम, डा. संदीप इनामपुडी, डा. गोविंद इनखिया, श्री सुनिल दत्त को चुना गया। इसके अलावा प्रो. सी.वी. राघावूलू, प्रो. दीपांकर सिन्हा व प्रो. ओम महला को एक्स ओफिसिओ सदस्यों के रूप में चुना गया।